Deen Dayal Upadhyaya Gorakhpur University

(Accredited A++ by NAAC)

University in News on 02 September 2024

Dainik Jagran
Page - 01,04

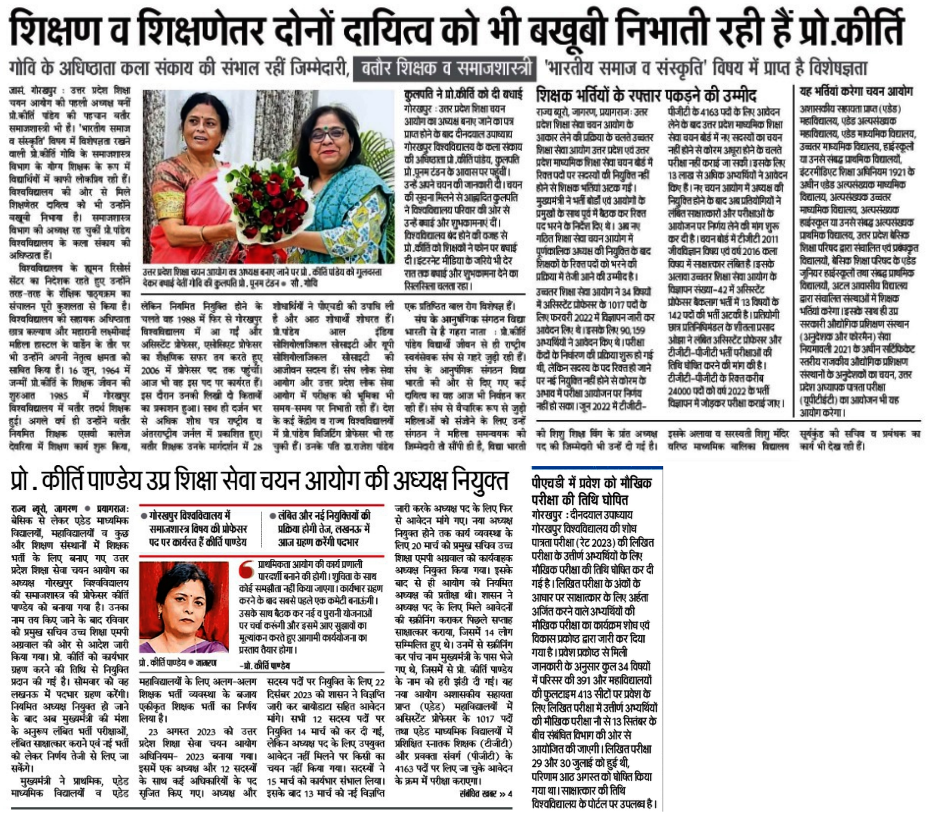

शिक्षण व शिक्षणेतर दोनों दायित्व को भी बखूबी निभाती रही हैं प्रो.कीर्ति

गोवि के अधिष्ठाता कला संकाय की संभाल रहीं जिम्मेदारी, **बतौर शिक्षक व समाजशास्त्री** 'भारतीय समाज व संस्कृति' विषय में प्राप्त है विशेषज्ञता

जासं, गोरखपुर : उत्तर प्रदेश शिक्षा चयन आयोग की पहली अध्यक्ष बनीं प्रो.कीर्ति पांडेय की पहचान बतौर समाजशास्त्री भी है। 'भारतीय समाज व संस्कृति' विषय में विशेषज्ञता रखने वाली प्रो.कीर्ति गोवि के समाजशास्त्र विभाग के योग्य शिक्षक के रूप में विद्यार्थियों में काफी लोकप्रिय रही हैं। विश्वविद्यालय की ओर से मिले शिक्षणेतर दायित्व को भी उन्होंने बखूबी निभाया है। समाजशास्त्र विभाग की अध्यक्ष रह चुकीं प्रो.पांडेय विश्वविद्यालय के कला संकाय की अधिष्ठाता हैं।

विश्वविद्यालय के ह्यूमन रिसोर्स सेंटर का निदेशक रहते हुए उन्होंने तरह-तरह के शैक्षिक पाठ्यक्रम का संचालन पूरी कुशलता से किया है। विश्वविद्यालय की सहायक अधिष्ठाता छात्र कल्याण और महारानी लक्ष्मीबाई महिला हास्टल के वार्डेन के तौर पर भी उन्होंने अपनी नेतृत्व क्षमता को साबित किया है। 16 जून, 1964 में जन्मीं प्रो.कीर्ति के शिक्षक जीवन की शुरुआत 1985 में गोरखपुर विश्वविद्यालय में बतौर तदर्थ शिक्षक हुई। अगले वर्ष ही उन्होंने बतौर नियमित शिक्षक एसबी कालेज देवरिया में शिक्षण कार्य शुरू किया, लेकिन नियमित नियुक्ति होने के चलते वह 1988 में फिर से गोरखपुर विश्वविद्यालय में आ गईं और असिस्टेंट प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर का शैक्षणिक सफर तय करते हुए 2006 में प्रोफेसर पद तक पहुंचीं। आज भी वह इस पद पर कार्यरत हैं। इस दौरान उनकी लिखी दो किताबों का प्रकाशन हुआ। साथ ही दर्जन भर से अधिक शोध पत्र राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय जर्नल में प्रकाशित हुए। बतौर शिक्षक उनके मार्गदर्शन में 28 शोधार्थियों ने पीएचडी की उपाधि ली है और आठ शोधार्थी शोधरत हैं। प्रो.पांडेय आल इंडिया सोशियोलाजिकल सोसाइटी और यूपी सोशियोलाजिकल सोसाइटी की आजीवन सदस्य हैं। संघ लोक सेवा आयोग और उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग में परीक्षक की भूमिका भी समय-समय पर निभाती रही हैं। देश के कई केंद्रीय व राज्य विश्वविद्यालयों में प्रो.पांडेय विजिटिंग प्रोफेसर भी रह चुकी हैं। उनके पति डा.राजेश पांडेय एक प्रतिष्ठित बाल रोग विशेषज्ञ हैं।

संघ के आनुषंगिक संगठन विद्या भारती से है गहरा नाता : प्रो.कीर्ति पांडेय विद्यार्थी जीवन से ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से गहरे जुड़ी रही हैं। संघ के आनुषंगिक संगठन विद्या भारती की ओर से दिए गए कई दायित्व का वह आज भी निर्वहन कर रही हैं। संघ से वैचारिक रूप से जुड़ी महिलाओं को संजोने के लिए उन्हें संगठन ने महिला समन्वयक की जिम्मेदारी तो सौंपी ही है, विद्या भारती की शिशु शिक्षा विंग के प्रांत अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी भी उन्हें दी गई है। इसके अलावा व सरस्वती शिशु मंदिर वरिष्ठ माध्यमिक बालिका विद्यालय सूर्यकुंड की सचिव व प्रबंधक का कार्य भी देख रही हैं।

उत्तर प्रदेश शिक्षा चयन आयोग का अध्यक्ष बनाए जाने पर प्रो. कीर्ति पांडेय को गुलदस्ता देकर बधाई देतीं गोवि की कुलपति प्रो. पूनम टंडन • सौ. गोवि

कुलपति ने प्रो.कीर्ति को दी बधाई

गोरखपुर : उत्तर प्रदेश शिक्षा चयन आयोग का अध्यक्ष बनाए जाने का पत्र प्राप्त होने के बाद दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के कला संकाय की अधिष्ठाता प्रो.कीर्ति पांडेय, कुलपति प्रो.पूनम टंडन के आवास पर पहुंचीं। उन्हें अपने चयन की जानकारी दी। चयन की सूचना मिलने से आह्लादित कुलपति ने विश्वविद्यालय परिवार की ओर से उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दीं। विश्वविद्यालय बंद होने की वजह से प्रो.कीर्ति को शिक्षकों ने फोन पर बधाई दी। इंटरनेट मीडिया के जरिये भी देर रात तक बधाई और शुभकामना देने का सिलसिला चलता रहा।

शिक्षक भर्तियों के रफ्तार पकड़ने की उम्मीद

राज्य ब्यूरो, जागरण, प्रयागराज: उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग के आकार लेने की प्रक्रिया के चलते उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग उत्तर प्रदेश एवं उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन बोर्ड में रिक्त पदों पर सदस्यों की नियुक्ति नहीं होने से शिक्षक भर्तियां अटक गईं। मुख्यमंत्री ने भर्ती बोर्डों एवं आयोगों के प्रमुखों के साथ पूर्व में बैठक कर रिक्त पद भरने के निर्देश दिए थे। अब नए गठित शिक्षा सेवा चयन आयोग में पूर्णकालिक अध्यक्ष की नियुक्ति के बाद शिक्षकों के रिक्त पदों को भरने की प्रक्रिया में तेजी आने की उम्मीद है।

उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग ने 34 विषयों में असिस्टेंट प्रोफेसर के 1017 पदों के लिए फरवरी 2022 में विज्ञापन जारी कर आवेदन लिए थे। इसके लिए 90,159 अभ्यर्थियों ने आवेदन किए थे। परीक्षा केंद्रों के निर्धारण की प्रक्रिया शुरू हो गई थी, लेकिन सदस्य के पद रिक्त हो जाने पर नई नियुक्ति नहीं होने से कोरम के अभाव में परीक्षा आयोजन पर निर्णय नहीं हो सका। जून 2022 में टीजीटी-पीजीटी के 4163 पदों के लिए आवेदन लेने के बाद उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन बोर्ड में नए सदस्यों का चयन नहीं होने से कोरम अधूरा होने के चलते परीक्षा नहीं कराई जा सकी। इसके लिए 13 लाख से अधिक अभ्यर्थियों ने आवेदन किए हैं। नए चयन आयोग में अध्यक्ष की नियुक्ति होने के बाद अब प्रतियोगियों ने लंबित साक्षात्कारों और परीक्षाओं के आयोजन पर निर्णय लेने की मांग शुरू कर दी है। चयन बोर्ड में टीजीटी 2011 जीवविज्ञान विषय एवं वर्ष 2016 कला विषय में साक्षात्कार लंबित है। इसके अलावा उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग के विज्ञापन संख्या-42 में असिस्टेंट प्रोफेसर बैकलाग भर्ती में 13 विषयों के 142 पदों की भर्ती अटकी है। प्रतियोगी छात्र प्रतिनिधिमंडल के शीतला प्रसाद ओझा ने लंबित असिस्टेंट प्रोफेसर और टीजीटी-पीजीटी भर्ती परीक्षाओं की तिथि घोषित करने की मांग की है। टीजीटी-पीजीटी के रिक्त करीब 24000 पदों को वर्ष 2022 के भर्ती विज्ञापन में जोड़कर परीक्षा कराई जाए।

यह भर्तियां करेगा चयन आयोग

अशासकीय सहायता प्राप्त (एडेड) महाविद्यालय, एडेड अल्पसंख्यक महाविद्यालय, एडेड माध्यमिक विद्यालय, उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, हाईस्कूलों या उनसे संबद्ध प्राथमिक विद्यालयों, इंटरमीडिएट शिक्षा अधिनियम 1921 के अधीन एडेड अल्पसंख्यक माध्यमिक विद्यालय, अल्पसंख्यक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, अल्पसंख्यक हाईस्कूल या उनसे संबद्ध अल्पसंख्यक प्राथमिक विद्यालय, उत्तर प्रदेश बेसिक शिक्षा परिषद द्वारा संचालित एवं प्रबंधकृत विद्यालयों, बेसिक शिक्षा परिषद के एडेड जूनियर हाईस्कूलों तथा संबद्ध प्राथमिक विद्यालयों, अटल आवासीय विद्यालय द्वारा संचालित संस्थाओं में शिक्षक भर्तियां करेगा। इसके साथ ही उप्र सरकारी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (अनुदेशक और फोरमैन) सेवा नियमावली 2021 के अधीन सर्टिफिकेट स्तरीय राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों के अनुदेशकों का चयन, उत्तर प्रदेश अध्यापक पात्रता परीक्षा (यूपीटीईटी) का आयोजन भी यह आयोग करेगा।

प्रो . कीर्ति पाण्डेय उप्र शिक्षा सेवा चयन आयोग की अध्यक्ष नियुक्त

- गोरखपुर विश्वविद्यालय में समाजशास्त्र विषय की प्रोफेसर पद पर कार्यरत हैं कीर्ति पाण्डेय
- लंबित और नई नियुक्तियों की प्रक्रिया होगी तेज, लखनऊ में आज ग्रहण करेंगी पदभार

राज्य ब्यूरो, जागरण • प्रयागराज: बेसिक से लेकर एडेड माध्यमिक विद्यालयों, महाविद्यालयों व कुछ और शिक्षण संस्थानों में शिक्षक भर्ती के लिए बनाए गए उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग का अध्यक्ष गोरखपुर विश्वविद्यालय की समाजशास्त्र की प्रोफेसर कीर्ति पाण्डेय को बनाया गया है। उनका नाम तय किए जाने के बाद रविवार को प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा एमपी अग्रवाल की ओर से आदेश जारी किया गया। प्रो. कीर्ति को कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से नियुक्ति प्रदान की गई है। सोमवार को वह लखनऊ में पदभार ग्रहण करेंगी। नियमित अध्यक्ष नियुक्त हो जाने के बाद अब मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप लंबित भर्ती परीक्षाओं, लंबित साक्षात्कार कराने एवं नई भर्ती को लेकर निर्णय तेजी से लिए जा सकेंगे।

मुख्यमंत्री ने प्राथमिक, एडेड माध्यमिक विद्यालयों व एडेड महाविद्यालयों के लिए अलग-अलग शिक्षक भर्ती व्यवस्था के बजाय एकीकृत शिक्षक भर्ती का निर्णय लिया है।

23 अगस्त 2023 को उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग अधिनियम- 2023 बनाया गया। इसमें एक अध्यक्ष और 12 सदस्यों के साथ कई अधिकारियों के पद सृजित किए गए। अध्यक्ष और सदस्य पदों पर नियुक्ति के लिए 22 दिसंबर 2023 को शासन ने विज्ञप्ति जारी कर बायोडाटा सहित आवेदन मांगे। सभी 12 सदस्य पदों पर नियुक्ति 14 मार्च को कर दी गई, लेकिन अध्यक्ष पद के लिए उपयुक्त आवेदन नहीं मिलने पर किसी का चयन नहीं किया गया। सदस्यों ने 15 मार्च को कार्यभार संभाल लिया। इसके बाद 13 मार्च को नई विज्ञप्ति जारी करके अध्यक्ष पद के लिए फिर से आवेदन मांगे गए। नया अध्यक्ष नियुक्त होने तक कार्य व्यवस्था के लिए 20 मार्च को प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा एमपी अग्रवाल को कार्यवाहक अध्यक्ष नियुक्त किया गया। इसके बाद से ही आयोग को नियमित अध्यक्ष की प्रतीक्षा थी। शासन ने अध्यक्ष पद के लिए मिले आवेदनों की स्क्रीनिंग कराकर पिछले सप्ताह साक्षात्कार कराया, जिसमें 14 लोग सम्मिलित हुए थे। उनमें से स्क्रीनिंग कर पांच नाम मुख्यमंत्री के पास भेजे गए थे, जिसमें से प्रो. कीर्ति पाण्डेय के नाम को हरी झंडी दी गई। यह नया आयोग अशासकीय सहायता प्राप्त (एडेड) महाविद्यालयों में असिस्टेंट प्रोफेसर के 1017 पदों तथा एडेड माध्यमिक विद्यालयों में प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (टीजीटी) और प्रवक्ता संवर्ग (पीजीटी) के 4163 पदों पर लिए जा चुके आवेदन के क्रम में परीक्षा कराएगा।

संबंधित खबर » 4

> प्राथमिकता आयोग की कार्य प्रणाली पारदर्शी बनाने की होगी। शुचिता के साथ कोई समझौता नहीं किया जाएगा। कार्यभार ग्रहण करने के बाद सबसे पहले एक कमेटी बनाऊंगी। उसके साथ बैठक कर नई व पुरानी योजनाओं पर चर्चा करूंगी और इसमें आए सुझावों का मूल्यांकन करते हुए आगामी कार्ययोजना का प्रस्ताव तैयार होगा।
>
> -प्रो. कीर्ति पाण्डेय

प्रो . कीर्ति पाण्डेय • जागरण

पीएचडी में प्रवेश को मौखिक परीक्षा की तिथि घोषित

गोरखपुर : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की शोध पात्रता परीक्षा (रेट 2023) की लिखित परीक्षा के उत्तीर्ण अभ्यर्थियों के लिए मौखिक परीक्षा की तिथि घोषित कर दी गई है। लिखित परीक्षा के अंकों के आधार पर साक्षात्कार के लिए अर्हता अर्जित करने वाले अभ्यर्थियों की मौखिक परीक्षा का कार्यक्रम शोध एवं विकास प्रकोष्ठ द्वारा जारी कर दिया गया है। प्रवेश प्रकोष्ठ से मिली जानकारी के अनुसार कुल 34 विषयों में परिसर की 391 और महाविद्यालयों की फुलटाइम 413 सीटों पर प्रवेश के लिए लिखित परीक्षा में उत्तीर्ण अभ्यर्थियों की मौखिक परीक्षा नौ से 13 सितंबर के बीच संबंधित विभाग की ओर से आयोजित की जाएगी। लिखित परीक्षा 29 और 30 जुलाई को हुई थी, परिणाम आठ अगस्त को घोषित किया गया था। साक्षात्कार की तिथि विश्वविद्यालय के पोर्टल पर उपलब्ध है।

Amar Ujala
Page - 01,05

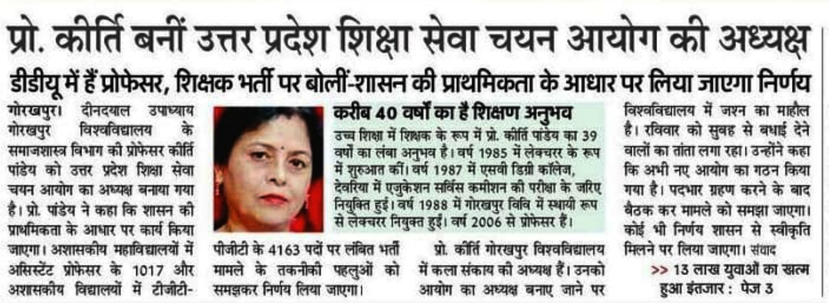

प्रो. कीर्ति बनीं उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग की अध्यक्ष

डीडीयू में हैं प्रोफेसर, शिक्षक भर्ती पर बोलीं-शासन की प्राथमिकता के आधार पर लिया जाएगा निर्णय

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग की प्रोफेसर कीर्ति पांडेय को उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग का अध्यक्ष बनाया गया है। प्रो. पांडेय ने कहा कि शासन की प्राथमिकता के आधार पर कार्य किया जाएगा। अशासकीय महाविद्यालयों में असिस्टेंट प्रोफेसर के 1017 और अशासकीय विद्यालयों में टीजीटी-पीजीटी के 4163 पदों पर लंबित भर्ती मामले के तकनीकी पहलुओं को समझकर निर्णय लिया जाएगा।

प्रो. कीर्ति गोरखपुर विश्वविद्यालय में कला संकाय की अध्यक्ष हैं। उनको आयोग का अध्यक्ष बनाए जाने पर विश्वविद्यालय में जश्न का माहौल है। रविवार को सुबह से बधाई देने वालों का तांता लगा रहा। उन्होंने कहा कि अभी नए आयोग का गठन किया गया है। पदभार ग्रहण करने के बाद बैठक कर मामले को समझा जाएगा। कोई भी निर्णय शासन से स्वीकृति मिलने पर लिया जाएगा। संवाद

करीब 40 वर्षों का है शिक्षण अनुभव

उच्च शिक्षा में शिक्षक के रूप में प्रो. कीर्ति पांडेय का 39 वर्षों का लंबा अनुभव है। वर्ष 1985 में लेक्चरर के रूप में शुरुआत की। वर्ष 1987 में एसबी डिग्री कॉलेज, देवरिया में एजुकेशन सर्विस कमीशन की परीक्षा के जरिए नियुक्ति हुई। वर्ष 1988 में गोरखपुर विवि में स्थायी रूप से लेक्चरर नियुक्त हुईं। वर्ष 2006 से प्रोफेसर हैं।

>> 13 लाख युवाओं का खत्म हुआ इंतजार : पेज 3

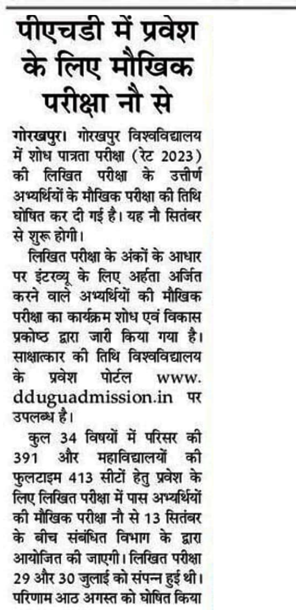

पीएचडी में प्रवेश के लिए मौखिक परीक्षा नौ से

गोरखपुर। गोरखपुर विश्वविद्यालय में शोध पात्रता परीक्षा (रेट 2023) की लिखित परीक्षा के उत्तीर्ण अभ्यर्थियों के मौखिक परीक्षा की तिथि घोषित कर दी गई है। यह नौ सितंबर से शुरू होगी।

लिखित परीक्षा के अंकों के आधार पर इंटरव्यू के लिए अर्हता अर्जित करने वाले अभ्यर्थियों की मौखिक परीक्षा का कार्यक्रम शोध एवं विकास प्रकोष्ठ द्वारा जारी किया गया है। साक्षात्कार की तिथि विश्वविद्यालय के प्रवेश पोर्टल www.dduguadmission.in पर उपलब्ध है।

कुल 34 विषयों में परिसर की 391 और महाविद्यालयों की फुलटाइम 413 सीटों हेतु प्रवेश के लिए लिखित परीक्षा में पास अभ्यर्थियों की मौखिक परीक्षा नौ से 13 सितंबर के बीच संबंधित विभाग के द्वारा आयोजित की जाएगी। लिखित परीक्षा 29 और 30 जुलाई को संपन्न हुई थी। परिणाम आठ अगस्त को घोषित किया गया था। संवाद

Inext Page - 02

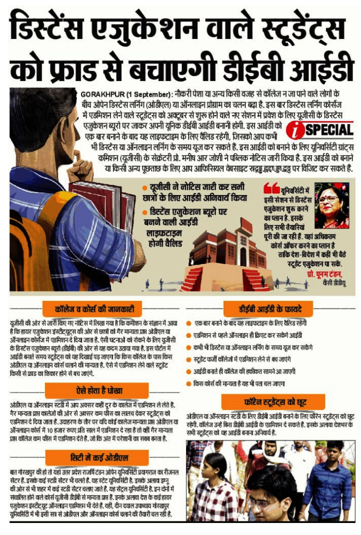

डिस्टेंस एजुकेशन वाले स्टूडेंट्स को फ्राड से बचाएगी डीईबी आईडी

GORAKHPUR (1 September): नौकरी पेशा या अन्य किसी वजह से कॉलेज न जा पाने वाले लोगों के बीच ओपेन डिस्टेंस लर्निंग (ओडीएल) या ऑनलाइन प्रोग्राम का चलन बढ़ा है. इस बार डिस्टेंस लर्निंग कोर्सेज में एडमिशन लेने वाले स्टूडेंट्स को अक्टूबर से शुरू होने वाले नए सेशन में प्रवेश के लिए यूजीसी के डिस्टेंस एजुकेशन ब्यूरो पर जाकर अपनी यूनिक डीईबी आईडी बनानी होगी. इस आईडी को एक बार बनाने के बाद यह लाइफटाइम के लिए वैलिड रहेगी, जिसको आप कभी भी डिस्टेंस या ऑनलाइन लर्निंग के समय यूज कर सकते हैं. इस आईडी को बनाने के लिए यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमिशन (यूजीसी) के सेक्रेटरी प्रो. मनीष आर जोशी ने पब्लिक नोटिस जारी किया है. इस आईडी को बनाने या किसी अन्य पूछताछ के लिए आप आफिसियल वेबसाइट [illegible] पर विजिट कर सकते हैं.

iSPECIAL

- यूजीसी ने नोटिस जारी कर सभी छात्रों के लिए आईडी अनिवार्य किया
- डिस्टेंस एजुकेशन ब्यूरो पर बनने वाली आईडी लाइफटाइम होगी वैलिड

> यूनिवर्सिटी में इसी सेशन से डिस्टेंस एजुकेशन शुरू करने का प्लान है. इसके लिए सभी तैयारियां पूरी की जा रही है. यहां अधिकतम कोर्स ऑफर करने का प्लान है ताकि देश-विदेश में कहीं भी बैठे स्टूडेंट एजुकेशन पा सकें.
>
> प्रो. पूनम टंडन, वीसी डीडीयू

कॉलेज व कोर्स की जानकारी

यूजीसी की ओर से जारी किए गए नोटिस में लिखा गया है कि कमीशन के संज्ञान में आया है कि हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूट्स की ओर से छात्रों को गैर मान्यता प्राप्त ओडीएल या ऑनलाइन कोर्सेज में एडमिशन दे दिया जाता है. ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए यूजीसी के डिस्टेंस एजुकेशन ब्यूरो (डीईबी) की ओर से यह कदम उठाया गया है. इस पोर्टल में आईडी बनाते समय स्टूडेंट्स को यह दिखाई पड़ जाएगा कि किस कॉलेज के पास किस ओडीएल या ऑनलाइन कोर्स चलाने की मान्यता है. ऐसे में एडमिशन लेने वाले स्टूडेंट किसी से फ्राड का शिकार होने से बच जाएंगे.

ऐसे होता है धोखा

ओडीएल या ऑनलाइन स्टडी में आप अक्सर कहीं दूर के कालेज में एडमिशन ले लेते हैं. गैर मान्यता प्राप्त कालेजों की ओर से अक्सर कम फीस का लालच देकर स्टूडेंट्स को एडमिशन दे दिया जाता है. उदाहरण के तौर पर यदि कोई कालेज मान्यता प्राप्त ओडीएल या ऑनलाइन कोर्स में 10 हजार रुपए प्रति साल में एडमिशन दे रहा है तो वहीं गैर मान्यता प्राप्त कॉलेज कम फीस में एडमिशन देते हैं. जो कि अंत में परेशानी का सबब बनता है.

सिटी में कई ओडीएल

बात गोरखपुर की हो तो यहां उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन ओपेन यूनिवर्सिटी प्रयागराज का रीजनल सेंटर है. इसके कई स्टडी सेंटर भी चलते हैं. यह स्टेट यूनिवर्सिटी है. इसके अलावा इग्नू की ओर से भी शहर में कई स्टडी सेंटर चलाए जाते हैं. यह सेंट्रल यूनिवर्सिटी है. इन दोनों में संचालित होने वाले कोर्स यूजीसी डीईबी से मान्यता प्राप्त है. इसके अलावा देश के कई हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूट ऑनलाइन एडमिशन भी देते हैं. वहीं, दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर यूनिवर्सिटी में भी इसी सत्र से ओडीएल और ऑनलाइन कोर्स चलाने की तैयारी चल रही है.

डीईबी आईडी के फायदे

- एक बार बनाने के बाद यह लाइफटाइम के लिए वैलिड रहेगी
- एडमिशन से पहले ऑनलाइन ही क्रिएट कर सकेंगे आईडी
- कभी भी डिस्टेंस या ऑनलाइन लर्निंग के समय यूज कर सकेंगे
- स्टूडेंट फर्जी कॉलेजों में एडमिशन लेने से बच जाएंगे
- आईडी बनाते ही कॉलेज की हकीकत सामने आ जाएगी
- किस कोर्स की मान्यता है यह भी पता चल जाएगा

फॉरेन स्टूडेंट्स को छूट

ओडीएल या ऑनलाइन स्टडी के लिए डीईबी आईडी बनाने के लिए फॉरेन स्टूडेंट्स को छूट रहेगी. कॉलेज उन्हें बिना डीईबी आईडी के एडमिशन दे सकते हैं. इसके अलावा देशभर के सभी स्टूडेंट्स को यह आईडी बनाना अनिवार्य है.

Hindustan
Page - 01,03,05

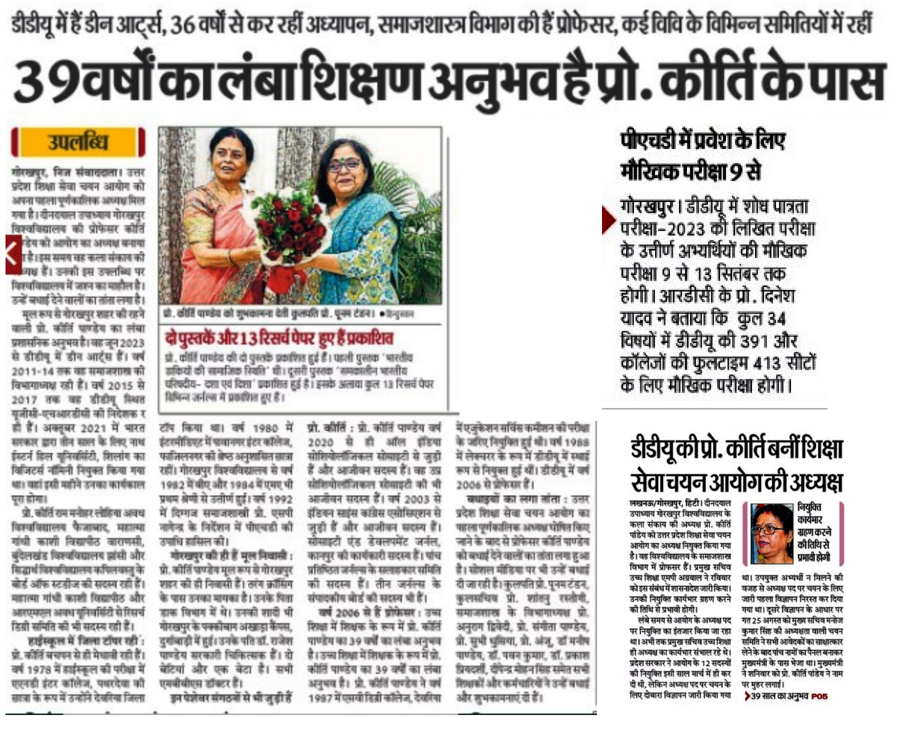

डीडीयू में हैं डीन आर्ट्स, 36 वर्षों से कर रहीं अध्यापन, समाजशास्त्र विभाग की हैं प्रोफेसर, कई विवि के विभिन्न समितियों में रहीं

39 वर्षों का लंबा शिक्षण अनुभव है प्रो. कीर्ति के पास

उपलब्धि

गोरखपुर, निज संवाददाता। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग को अपना पहला पूर्णकालिक अध्यक्ष मिल गया है। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की प्रोफेसर कीर्ति पांडेय को आयोग का अध्यक्ष बनाया गया है। इस समय वह कला संकाय की अध्यक्ष हैं। उनकी इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय में जश्न का माहौल है। उन्हें बधाई देने वालों का तांता लगा है।

मूल रूप से गोरखपुर शहर की रहने वाली प्रो. कीर्ति पाण्डेय का लंबा प्रशासनिक अनुभव है। वह जून 2023 से डीडीयू में डीन आर्ट्स हैं। वर्ष 2011-14 तक वह समाजशास्त्र की विभागाध्यक्ष रही हैं। वर्ष 2015 से 2017 तक वह डीडीयू स्थित यूजीसी-एचआरडीसी की निदेशक रही हैं। अक्तूबर 2021 में भारत सरकार द्वारा तीन साल के लिए नाथ ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी, शिलांग का विजिटर्स नॉमिनी नियुक्त किया गया था। वहां इसी महीने उनका कार्यकाल पूरा होगा।

प्रो. कीर्ति राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय फैजाबाद, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ वाराणसी, बुंदेलखंड विश्वविद्यालय झांसी और सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु के बोर्ड ऑफ स्टडीज की सदस्य रही हैं। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ और आरएमएल अवध यूनिवर्सिटी से रिसर्च डिग्री समिति की भी सदस्य रही हैं।

हाईस्कूल में जिला टॉपर रहीं : प्रो. कीर्ति बचपन से ही मेधावी रही हैं। वर्ष 1978 में हाईस्कूल की परीक्षा में एएनडी इंटर कॉलेज, पथरदेवा की छात्रा के रूप में उन्होंने देवरिया जिला टॉप किया था। वर्ष 1980 में इंटरमीडिएट में पावानगर इंटर कॉलेज, फाजिलनगर की श्रेष्ठ अनुशासित छात्रा रहीं। गोरखपुर विश्वविद्यालय से वर्ष 1982 में बीए और 1984 में एमए भी प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण हुईं। वर्ष 1992 में दिग्गज समाजशास्त्री प्रो. एसपी नागेन्द्र के निर्देशन में पीएचडी की उपाधि हासिल की।

गोरखपुर की ही हैं मूल निवासी : प्रो. कीर्ति पाण्डेय मूल रूप से गोरखपुर शहर की ही निवासी हैं। तरंग क्रॉसिंग के पास उनका मायका है। उनके पिता डाक विभाग में थे। उनकी शादी भी गोरखपुर के पक्कीबाग अखाड़ा कैंपस, दुर्गाबाड़ी में हुई। उनके पति डॉ. राजेश पाण्डेय सरकारी चिकित्सक हैं। दो बेटियां और एक बेटा है। सभी एमबीबीएस डॉक्टर हैं।

इन पेशेवर संगठनों से भी जुड़ी हैं प्रो. कीर्ति : प्रो. कीर्ति पाण्डेय वर्ष 2020 से ही ऑल इंडिया सोशियोलॉजिकल सोसाइटी से जुड़ी हैं और आजीवन सदस्य हैं। वह उप्र सोशियोलॉजिकल सोसाइटी की भी आजीवन सदस्य हैं। वर्ष 2003 से इंडियन साइंस कांग्रेस एसोसिएशन से जुड़ी हैं और आजीवन सदस्य हैं। सोसाइटी एंड डेवलपमेंट जर्नल, कानपुर की कार्यकारी सदस्य हैं। पांच प्रतिष्ठित जर्नल्स के सलाहकार समिति की सदस्य हैं। तीन जर्नल्स के संपादकीय बोर्ड की सदस्य भी हैं।

वर्ष 2006 से हैं प्रोफेसर : उच्च शिक्षा में शिक्षक के रूप में प्रो. कीर्ति पाण्डेय का 39 वर्षों का लंबा अनुभव है। उच्च शिक्षा में शिक्षक के रूप में प्रो. कीर्ति पाण्डेय का 39 वर्षों का लंबा अनुभव है। प्रो. कीर्ति पाण्डेय ने वर्ष 1987 में एसबी डिग्री कॉलेज, देवरिया में एजुकेशन सर्विस कमीशन की परीक्षा के जरिए नियुक्त हुई थीं। वर्ष 1988 में लेक्चरर के रूप में डीडीयू में स्थाई रूप से नियुक्त हुई थीं। डीडीयू में वर्ष 2006 से प्रोफेसर हैं।

बधाइयों का लगा तांता : उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग का पहला पूर्णकालिक अध्यक्ष घोषित किए जाने के बाद से प्रोफेसर कीर्ति पाण्डेय को बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है। सोशल मीडिया पर भी उन्हें बधाई दी जा रही है। कुलपति प्रो. पूनम टंडन, कुलसचिव प्रो. शांतनु रस्तोगी, समाजशास्त्र के विभागाध्यक्ष प्रो. अनुराग द्विवेदी, प्रो. संगीता पाण्डेय, प्रो. सुभी धुसिया, प्रो. अंजू, डॉ मनीष पाण्डेय, डॉ. पवन कुमार, डॉ. प्रकाश प्रियदर्शी, दीपेन्द्र मोहन सिंह समेत सभी शिक्षकों और कर्मचारियों ने उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दी हैं।

प्रो. कीर्ति पाण्डेय को शुभकामना देती कुलपति प्रो. पूनम टंडन। • हिन्दुस्तान

दो पुस्तकें और 13 रिसर्च पेपर हुए हैं प्रकाशित

प्रो. कीर्ति पाण्डेय की दो पुस्तकें प्रकाशित हुई हैं। पहली पुस्तक 'भारतीय डाकियों की सामाजिक स्थिति' थी। दूसरी पुस्तक 'समकालीन भारतीय परिदृश्य- दशा एवं दिशा' प्रकाशित हुई है। इसके अलावा कुल 13 रिसर्च पेपर विभिन्न जर्नल्स में प्रकाशित हुए हैं।

पीएचडी में प्रवेश के लिए मौखिक परीक्षा 9 से

गोरखपुर। डीडीयू में शोध पात्रता परीक्षा-2023 की लिखित परीक्षा के उत्तीर्ण अभ्यर्थियों की मौखिक परीक्षा 9 से 13 सितंबर तक होगी। आरडीसी के प्रो. दिनेश यादव ने बताया कि कुल 34 विषयों में डीडीयू की 391 और कॉलेजों की फुलटाइम 413 सीटों के लिए मौखिक परीक्षा होगी।

डीडीयू की प्रो. कीर्ति बनीं शिक्षा सेवा चयन आयोग की अध्यक्ष

लखनऊ/गोरखपुर, हिटी। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के कला संकाय की अध्यक्ष प्रो. कीर्ति पांडेय को उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। वह विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग में प्रोफेसर हैं। प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा एमपी अग्रवाल ने रविवार को इस संबंध में शासनादेश जारी किया। उनकी नियुक्ति कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से प्रभावी होगी।

लंबे समय से आयोग के अध्यक्ष पद पर नियुक्ति का इंतजार किया जा रहा था। अभी तक प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा ही अध्यक्ष का कार्यभार संभाल रहे थे। प्रदेश सरकार ने आयोग के 12 सदस्यों की नियुक्ति इसी साल मार्च में ही कर दी थी, लेकिन अध्यक्ष पद पर चयन के लिए दोबारा विज्ञापन जारी किया गया था। उपयुक्त अभ्यर्थी न मिलने की वजह से अध्यक्ष पद पर चयन के लिए जारी पहला विज्ञापन निरस्त कर दिया गया था। दूसरे विज्ञापन के आधार पर गत 25 अगस्त को मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह की अध्यक्षता वाली चयन समिति ने सभी आवेदकों का साक्षात्कार लेने के बाद पांच नामों का पैनल बनाकर मुख्यमंत्री के पास भेजा था। मुख्यमंत्री ने शनिवार को प्रो. कीर्ति पांडेय के नाम पर मुहर लगाई।

नियुक्ति कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से प्रभावी होगी

›39 साल का अनुभव P05

Swatantra Chetna Page - 05

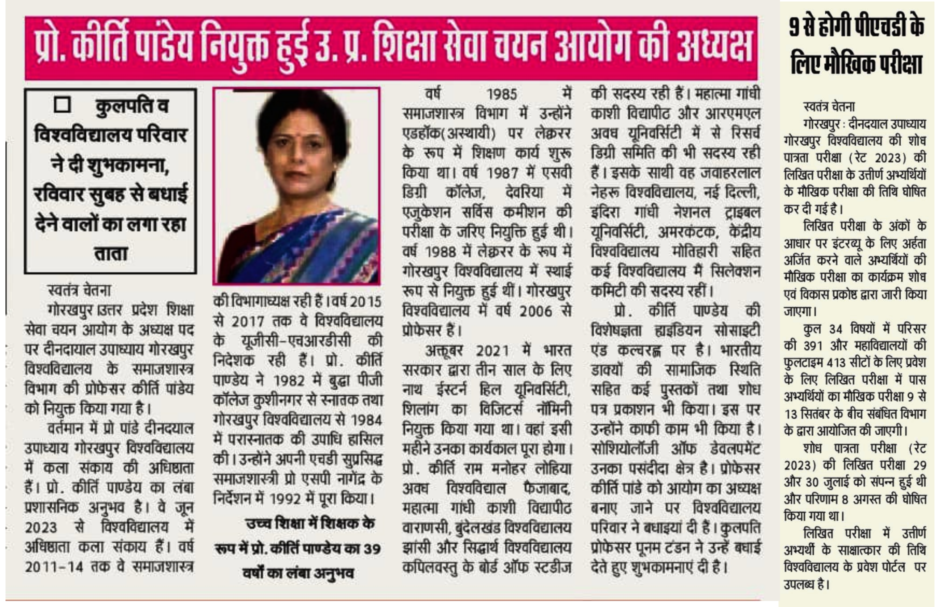

प्रो. कीर्ति पांडेय नियुक्त हुई उ. प्र. शिक्षा सेवा चयन आयोग की अध्यक्ष

□ कुलपति व विश्वविद्यालय परिवार ने दी शुभकामना, रविवार सुबह से बधाई देने वालों का लगा रहा ताता

स्वतंत्र चेतना

गोरखपुर (उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग के अध्यक्ष पद पर दीनदायाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग की प्रोफेसर कीर्ति पांडेय को नियुक्त किया गया है।

वर्तमान में प्रो पांडे दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में कला संकाय की अधिष्ठाता हैं। प्रो. कीर्ति पाण्डेय का लंबा प्रशासनिक अनुभव है। वे जून 2023 से विश्वविद्यालय में अधिष्ठाता कला संकाय हैं। वर्ष 2011-14 तक वे समाजशास्त्र की विभागाध्यक्ष रही हैं। वर्ष 2015 से 2017 तक वे विश्वविद्यालय के यूजीसी-एचआरडीसी की निदेशक रही हैं। प्रो. कीर्ति पाण्डेय ने 1982 में बुद्धा पीजी कॉलेज कुशीनगर से स्नातक तथा गोरखपुर विश्वविद्यालय से 1984 में परास्नातक की उपाधि हासिल की। उन्होंने अपनी एचडी सुप्रसिद्ध समाजशास्त्री प्रो एसपी नागेंद्र के निर्देशन में 1992 में पूरा किया।

उच्च शिक्षा में शिक्षक के रूप में प्रो. कीर्ति पाण्डेय का 39 वर्षों का लंबा अनुभव

वर्ष 1985 में समाजशास्त्र विभाग में उन्होंने एडहॉक(अस्थायी) पर लेक्चरर के रूप में शिक्षण कार्य शुरू किया था। वर्ष 1987 में एसबी डिग्री कॉलेज, देवरिया में एजुकेशन सर्विस कमीशन की परीक्षा के जरिए नियुक्ति हुई थी। वर्ष 1988 में लेक्चरर के रूप में गोरखपुर विश्वविद्यालय में स्थाई रूप से नियुक्त हुई थीं। गोरखपुर विश्वविद्यालय में वर्ष 2006 से प्रोफेसर हैं।

अक्तूबर 2021 में भारत सरकार द्वारा तीन साल के लिए नाथ ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी, शिलांग का विजिटर्स नॉमिनी नियुक्त किया गया था। वहां इसी महीने उनका कार्यकाल पूरा होगा। प्रो. कीर्ति राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्याल फैजाबाद, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ वाराणसी, बुंदेलखंड विश्वविद्यालय झांसी और सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु के बोर्ड ऑफ स्टडीज की सदस्य रही हैं। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ और आरएमएल अवध यूनिवर्सिटी में से रिसर्च डिग्री समिति की भी सदस्य रही हैं। इसके साथी वह जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, इंदिरा गांधी नेशनल ट्राइबल यूनिवर्सिटी, अमरकंटक, केंद्रीय विश्वविद्यालय मोतिहारी सहित कई विश्वविद्यालय मैं सिलेक्शन कमिटी की सदस्य रहीं।

प्रो. कीर्ति पाण्डेय की विशेषज्ञता इंडियन सोसाइटी एंड कल्चरह पर है। भारतीय डाक्यों की सामाजिक स्थिति सहित कई पुस्तकों तथा शोध पत्र प्रकाशन भी किया। इस पर उन्होंने काफी काम भी किया है। सोशियोलॉजी ऑफ डेवलपमेंट उनका पसंदीदा क्षेत्र है। प्रोफेसर कीर्ति पांडे को आयोग का अध्यक्ष बनाए जाने पर विश्वविद्यालय परिवार ने बधाइयां दी हैं। कुलपति प्रोफेसर पूनम टंडन ने उन्हें बधाई देते हुए शुभकामनाएं दी है।

9 से होगी पीएचडी के लिए मौखिक परीक्षा

स्वतंत्र चेतना

गोरखपुर : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की शोध पात्रता परीक्षा (रेट 2023) की लिखित परीक्षा के उत्तीर्ण अभ्यर्थियों के मौखिक परीक्षा की तिथि घोषित कर दी गई है।

लिखित परीक्षा के अंकों के आधार पर इंटरव्यू के लिए अर्हता अर्जित करने वाले अभ्यर्थियों की मौखिक परीक्षा का कार्यक्रम शोध एवं विकास प्रकोष्ठ द्वारा जारी किया जाएगा।

कुल 34 विषयों में परिसर की 391 और महाविद्यालयों की फुलटाइम 413 सीटों के लिए प्रवेश के लिए लिखित परीक्षा में पास अभ्यर्थियों का मौखिक परीक्षा 9 से 13 सितबंर के बीच संबंधित विभाग के द्वारा आयोजित की जाएगी।

शोध पात्रता परीक्षा (रेट 2023) की लिखित परीक्षा 29 और 30 जुलाई को संपन्न हुई थी और परिणाम 8 अगस्त को घोषित किया गया था।

लिखित परीक्षा में उत्तीर्ण अभ्यर्थी के साक्षात्कार की तिथि विश्वविद्यालय के प्रवेश पोर्टल पर उपलब्ध है।

Amar Ujala Select
Page - 01, 03

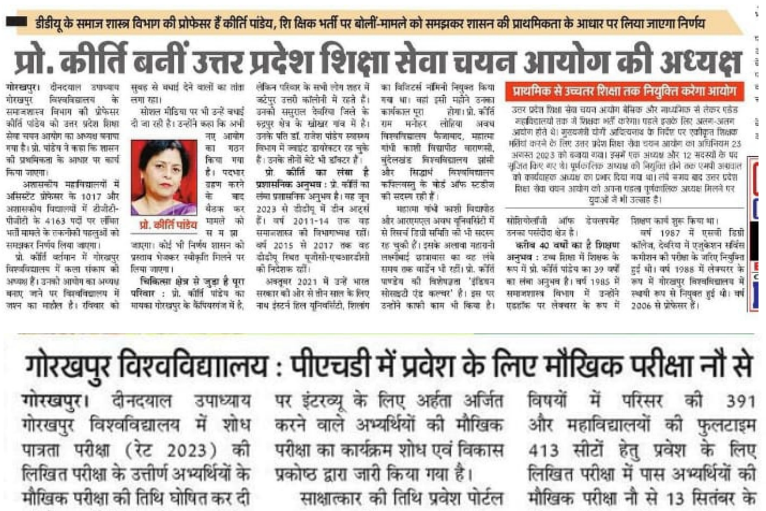

डीडीयू के समाज शास्त्र विभाग की प्रोफेसर हैं कीर्ति पांडेय, शि क्षिक भर्ती पर बोलीं-मामले को समझकर शासन की प्राथमिकता के आधार पर लिया जाएगा निर्णय

प्रो. कीर्ति बनीं उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग की अध्यक्ष

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग की प्रोफेसर कीर्ति पांडेय को उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग का अध्यक्ष बनाया गया है। प्रो. पांडेय ने कहा कि शासन की प्राथमिकता के आधार पर कार्य किया जाएगा।

अशासकीय महाविद्यालयों में असिस्टेंट प्रोफेसर के 1017 और अशासकीय विद्यालयों में टीजीटी-पीजीटी के 4163 पदों पर लंबित भर्ती मामले के तकनीकी पहलुओं को समझकर निर्णय लिया जाएगा।

प्रो. कीर्ति वर्तमान में गोरखपुर विश्वविद्यालय में कला संकाय की अध्यक्ष हैं। उनको आयोग का अध्यक्ष बनाए जाने पर विश्वविद्यालय में जश्न का माहौल है। रविवार को सुबह से बधाई देने वालों का तांता लगा रहा।

सोशल मीडिया पर भी उन्हें बधाई दी जा रही है। उन्होंने कहा कि अभी नए आयोग का गठन किया गया है। पदभार ग्रहण करने के बाद बैठक कर मामले को समझा जाएगा। कोई भी निर्णय शासन को प्रस्ताव भेजकर स्वीकृति मिलने पर लिया जाएगा।

प्रो. कीर्ति पांडेय

चिकित्सा क्षेत्र से जुड़ा है पूरा परिवार : प्रो. कीर्ति पांडेय का मायका गोरखपुर के कैंपियरगंज में है, लेकिन परिवार के सभी लोग शहर में जटेपुर उत्तरी कॉलोनी में रहते हैं। उनकी ससुराल देवरिया जिले के रुद्रपुर क्षेत्र के खोखर गांव में है। उनके पति डॉ. राजेश पांडेय स्वास्थ्य विभाग में ज्वाइंट डायरेक्टर रह चुके हैं। उनके तीनों बेटे भी डॉक्टर हैं।

प्रो. कीर्ति का लंबा है प्रशासनिक अनुभव : प्रो. कीर्ति का लंबा प्रशासनिक अनुभव है। वह जून 2023 से डीडीयू में डीन आर्ट्स हैं। वर्ष 2011-14 तक वह समाजशास्त्र की विभागाध्यक्ष रहीं। वर्ष 2015 से 2017 तक वह डीडीयू स्थित यूजीसी-एचआरडीसी की निदेशक रहीं।

अक्तूबर 2021 में उन्हें भारत सरकार की ओर से तीन साल के लिए नाथ ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी, शिलांग का विजिटर्स नॉमिनी नियुक्त किया गया था। वहां इसी महीने उनका कार्यकाल पूरा होगा। प्रो. कीर्ति राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय फैजाबाद, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ वाराणसी, बुंदेलखंड विश्वविद्यालय झांसी और सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु के बोर्ड ऑफ स्टडीज की सदस्य रही हैं।

महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ और आरएमएल अवध यूनिवर्सिटी में से रिसर्च डिग्री समिति की भी सदस्य रह चुकी हैं। इसके अलावा महारानी लक्ष्मीबाई छात्रावास का वह लंबे समय तक वार्डेन भी रहीं। प्रो. कीर्ति पाण्डेय की विशेषज्ञता 'इंडियन सोसाइटी एंड कल्चर' है। इस पर उन्होंने काफी काम भी किया है। सोशियोलॉजी ऑफ डेवलपमेंट उनका पसंदीदा क्षेत्र है।

करीब 40 वर्षों का है शिक्षण अनुभव : उच्च शिक्षा में शिक्षक के रूप में प्रो. कीर्ति पांडेय का 39 वर्षों का लंबा अनुभव है। वर्ष 1985 में समाजशास्त्र विभाग में उन्होंने एडहॉक पर लेक्चरर के रूप में शिक्षण कार्य शुरू किया था।

वर्ष 1987 में एसबी डिग्री कॉलेज, देवरिया में एजुकेशन सर्विस कमीशन की परीक्षा के जरिए नियुक्त हुई थी। वर्ष 1988 में लेक्चरर के रूप में गोरखपुर विश्वविद्यालय में स्थायी रूप से नियुक्त हुई थी। वर्ष 2006 से प्रोफेसर हैं।

प्राथमिक से उच्चतर शिक्षा तक नियुक्ति करेगा आयोग

उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग बेसिक और माध्यमिक से लेकर एडेड महाविद्यालयों तक में शिक्षक भर्ती करेगा। पहले इसके लिए अलग-अलग आयोग होते थे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर एकीकृत शिक्षक भर्तियां कराने के लिए उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग का अधिनियम 23 अगस्त 2023 को बनाया गया। इसमें एक अध्यक्ष और 12 सदस्यों के पद सृजित किए गए थे। पूर्णकालिक अध्यक्ष की नियुक्ति होने तक एमपी अग्रवाल को कार्यवाहक अध्यक्ष का प्रभार दिया गया था। लंबे समय बाद उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग को अपना पहला पूर्णकालिक अध्यक्ष मिलने पर युवाओं में भी उत्साह है।

गोरखपुर विश्वविद्यालय : पीएचडी में प्रवेश के लिए मौखिक परीक्षा नौ से

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में शोध पात्रता परीक्षा (रेट 2023) की लिखित परीक्षा के उत्तीर्ण अभ्यर्थियों के मौखिक परीक्षा की तिथि घोषित कर दी गई है। यह नौ सितंबर से शुरू होगी।

लिखित परीक्षा के अंकों के आधार पर इंटरव्यू के लिए अर्हता अर्जित करने वाले अभ्यर्थियों की मौखिक परीक्षा का कार्यक्रम शोध एवं विकास प्रकोष्ठ द्वारा जारी किया गया है।

साक्षात्कार की तिथि प्रवेश पोर्टल www.dduguadmission.in पर उपलब्ध है। कुल 34 विषयों में परिसर की 391 और महाविद्यालयों की फुलटाइम 413 सीटों हेतु प्रवेश के लिए लिखित परीक्षा में पास अभ्यर्थियों की मौखिक परीक्षा नौ से 13 सितंबर के बीच संबंधित विभाग के द्वारा आयोजित की जाएगी।

Super Fast Times

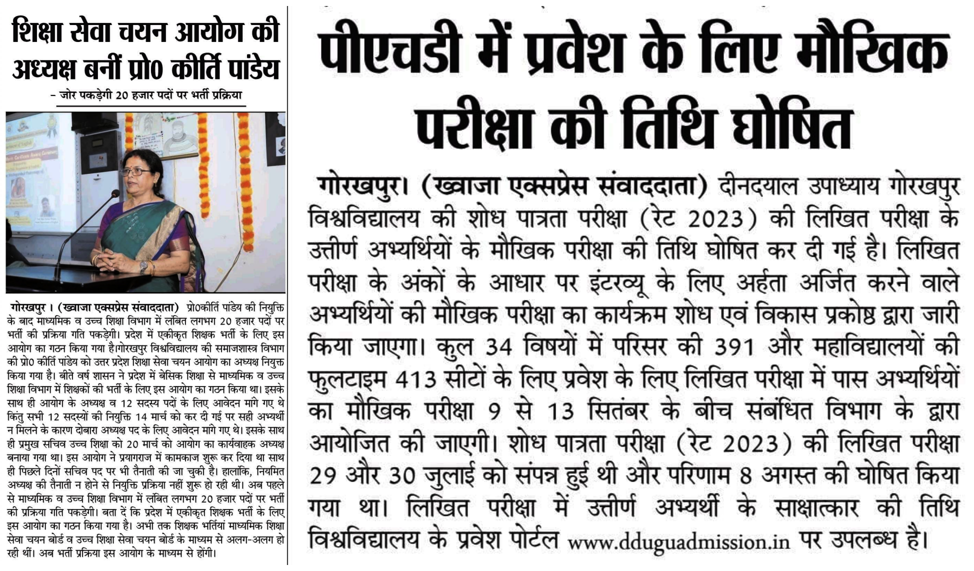

शिक्षा सेवा चयन आयोग की अध्यक्ष बनीं प्रो0 कीर्ति पांडेय

- जोर पकड़ेगी 20 हजार पदों पर भर्ती प्रक्रिया

गोरखपुर । (ख्वाजा एक्सप्रेस संवाददाता) प्रो0कीर्ति पांडेय की नियुक्ति के बाद माध्यमिक व उच्च शिक्षा विभाग में लंबित लगभग 20 हजार पदों पर भर्ती की प्रक्रिया गति पकड़ेगी। प्रदेश में एकीकृत शिक्षक भर्ती के लिए इस आयोग का गठन किया गया है।गोरखपुर विश्वविद्यालय की समाजशास्त्र विभाग की प्रो0 कीर्ति पांडेय को उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। बीते वर्ष शासन ने प्रदेश में बेसिक शिक्षा से माध्यमिक व उच्च शिक्षा विभाग में शिक्षकों की भर्ती के लिए इस आयोग का गठन किया था। इसके साथ ही आयोग के अध्यक्ष व 12 सदस्य पदों के लिए आवेदन मांगे गए थे किंतु सभी 12 सदस्यों की नियुक्ति 14 मार्च को कर दी गई पर सही अभ्यर्थी न मिलने के कारण दोबारा अध्यक्ष पद के लिए आवेदन मांगे गए थे। इसके साथ ही प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा को 20 मार्च को आयोग का कार्यवाहक अध्यक्ष बनाया गया था। इस आयोग ने प्रयागराज में कामकाज शुरू कर दिया था साथ ही पिछले दिनों सचिव पद पर भी तैनाती की जा चुकी है। हालांकि, नियमित अध्यक्ष की तैनाती न होने से नियुक्ति प्रक्रिया नहीं शुरू हो रही थी। अब पहले से माध्यमिक व उच्च शिक्षा विभाग में लंबित लगभग 20 हजार पदों पर भर्ती की प्रक्रिया गति पकड़ेगी। बता दें कि प्रदेश में एकीकृत शिक्षक भर्ती के लिए इस आयोग का गठन किया गया है। अभी तक शिक्षक भर्तियां माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन बोर्ड व उच्च शिक्षा सेवा चयन बोर्ड के माध्यम से अलग-अलग हो रही थीं। अब भर्ती प्रक्रिया इस आयोग के माध्यम से होंगी।

पीएचडी में प्रवेश के लिए मौखिक परीक्षा की तिथि घोषित

गोरखपुर। (ख्वाजा एक्सप्रेस संवाददाता) दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की शोध पात्रता परीक्षा (रेट 2023) की लिखित परीक्षा के उत्तीर्ण अभ्यर्थियों के मौखिक परीक्षा की तिथि घोषित कर दी गई है। लिखित परीक्षा के अंकों के आधार पर इंटरव्यू के लिए अर्हता अर्जित करने वाले अभ्यर्थियों की मौखिक परीक्षा का कार्यक्रम शोध एवं विकास प्रकोष्ठ द्वारा जारी किया जाएगा। कुल 34 विषयों में परिसर की 391 और महाविद्यालयों की फुलटाइम 413 सीटों के लिए प्रवेश के लिए लिखित परीक्षा में पास अभ्यर्थियों का मौखिक परीक्षा 9 से 13 सितंबर के बीच संबंधित विभाग के द्वारा आयोजित की जाएगी। शोध पात्रता परीक्षा (रेट 2023) की लिखित परीक्षा 29 और 30 जुलाई को संपन्न हुई थी और परिणाम 8 अगस्त की घोषित किया गया था। लिखित परीक्षा में उत्तीर्ण अभ्यर्थी के साक्षात्कार की तिथि विश्वविद्यालय के प्रवेश पोर्टल www.dduguadmission.in पर उपलब्ध है।

Nirbhik India Page - 03

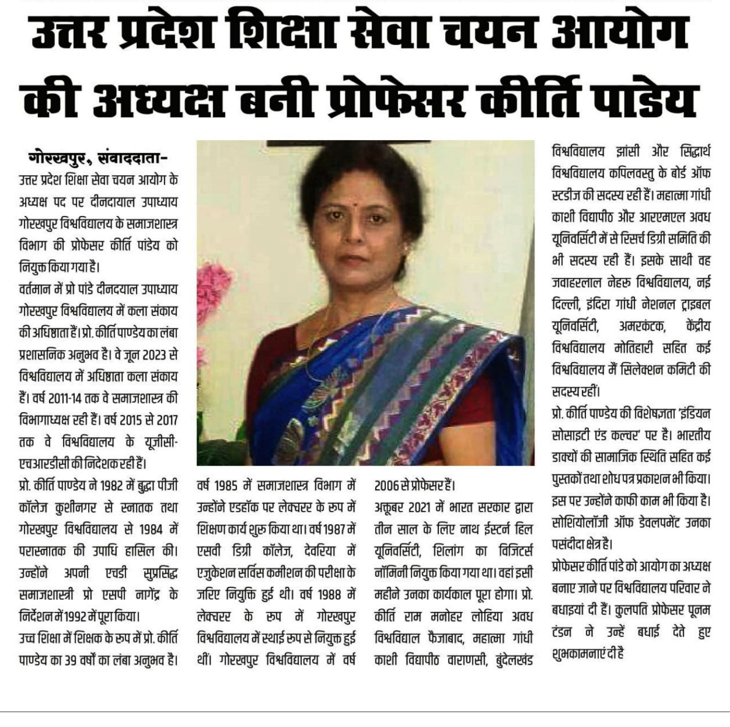

उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग की अध्यक्ष बनी प्रोफेसर कीर्ति पाडेय

गोरखपुर, संवाददाता-

उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग के अध्यक्ष पद पर दीनदायाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग की प्रोफेसर कीर्ति पांडेय को नियुक्त किया गया है।

वर्तमान में प्रो पांडे दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में कला संकाय की अधिष्ठाता हैं। प्रो. कीर्ति पाण्डेय का लंबा प्रशासनिक अनुभव है। वे जून 2023 से विश्वविद्यालय में अधिष्ठाता कला संकाय हैं। वर्ष 2011-14 तक वे समाजशास्त्र की विभागाध्यक्ष रही हैं। वर्ष 2015 से 2017 तक वे विश्वविद्यालय के यूजीसी-एचआरडीसी की निदेशक रही हैं।

प्रो. कीर्ति पाण्डेय ने 1982 में बुद्धा पीजी कॉलेज कुशीनगर से स्नातक तथा गोरखपुर विश्वविद्यालय से 1984 में परास्नातक की उपाधि हासिल की। उन्होंने अपनी एचडी सुप्रसिद्ध समाजशास्त्री प्रो एसपी नागेंद्र के निर्देशन में 1992 में पूरा किया।

उच्च शिक्षा में शिक्षक के रूप में प्रो. कीर्ति पाण्डेय का 39 वर्षों का लंबा अनुभव है। वर्ष 1985 में समाजशास्त्र विभाग में उन्होंने एडहॉक पर लेक्चरर के रूप में शिक्षण कार्य शुरू किया था। वर्ष 1987 में एसबी डिग्री कॉलेज, देवरिया में एजुकेशन सर्विस कमीशन की परीक्षा के जरिए नियुक्ति हुई थी। वर्ष 1988 में लेक्चरर के रूप में गोरखपुर विश्वविद्यालय में स्थाई रूप से नियुक्त हुई थीं। गोरखपुर विश्वविद्यालय में वर्ष 2006 से प्रोफेसर हैं।

अक्तूबर 2021 में भारत सरकार द्वारा तीन साल के लिए नाथ ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी, शिलांग का विजिटर्स नॉमिनी नियुक्त किया गया था। वहां इसी महीने उनका कार्यकाल पूरा होगा। प्रो. कीर्ति राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्याल फैजाबाद, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ वाराणसी, बुंदेलखंड विश्वविद्यालय झांसी और सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु के बोर्ड ऑफ स्टडीज की सदस्य रही हैं। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ और आरएमएल अवध यूनिवर्सिटी में से रिसर्च डिग्री समिति की भी सदस्य रही हैं। इसके साथी वह जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, इंदिरा गांधी नेशनल ट्राइबल यूनिवर्सिटी, अमरकंटक, केंद्रीय विश्वविद्यालय मोतिहारी सहित कई विश्वविद्यालय मैं सिलेक्शन कमिटी की सदस्य रहीं।

प्रो. कीर्ति पाण्डेय की विशेषज्ञता 'इंडियन सोसाइटी एंड कल्चर' पर है। भारतीय डाक्यों की सामाजिक स्थिति सहित कई पुस्तकों तथा शोध पत्र प्रकाशन भी किया। इस पर उन्होंने काफी काम भी किया है। सोशियोलॉजी ऑफ डेवलपमेंट उनका पसंदीदा क्षेत्र है।

प्रोफेसर कीर्ति पांडे को आयोग का अध्यक्ष बनाए जाने पर विश्वविद्यालय परिवार ने बधाइयां दी हैं। कुलपति प्रोफेसर पूनम टंडन ने उन्हें बधाई देते हुए शुभकामनाएं दी है

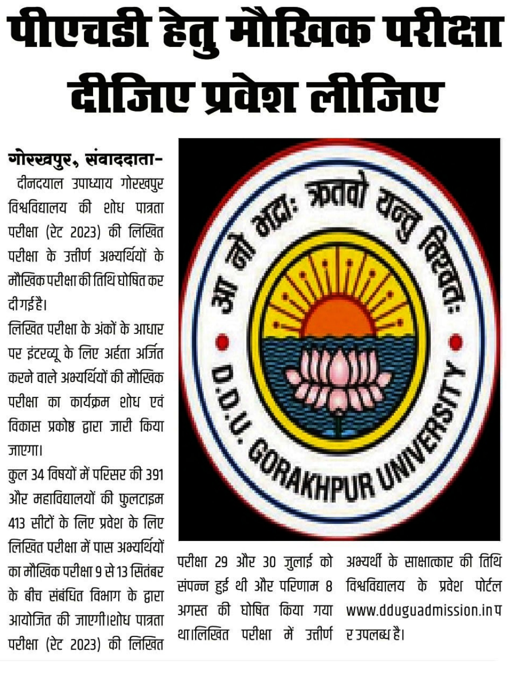

पीएचडी हेतु मौखिक परीक्षा दीजिए प्रवेश लीजिए

गोरखपुर, संवाददाता-

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की शोध पात्रता परीक्षा (रेट 2023) की लिखित परीक्षा के उत्तीर्ण अभ्यर्थियों के मौखिक परीक्षा की तिथि घोषित कर दी गई है।

लिखित परीक्षा के अंकों के आधार पर इंटरव्यू के लिए अर्हता अर्जित करने वाले अभ्यर्थियों की मौखिक परीक्षा का कार्यक्रम शोध एवं विकास प्रकोष्ठ द्वारा जारी किया जाएगा।

कुल 34 विषयों में परिसर की 391 और महाविद्यालयों की फुलटाइम 413 सीटों के लिए प्रवेश के लिए लिखित परीक्षा में पास अभ्यर्थियों का मौखिक परीक्षा 9 से 13 सितंबर के बीच संबंधित विभाग के द्वारा आयोजित की जाएगी।शोध पात्रता परीक्षा (रेट 2023) की लिखित परीक्षा 29 और 30 जुलाई को संपन्न हुई थी और परिणाम 8 अगस्त की घोषित किया गया था।लिखित परीक्षा में उत्तीर्ण अभ्यर्थी के साक्षात्कार की तिथि विश्वविद्यालय के प्रवेश पोर्टल www.dduguadmission.in पर उपलब्ध है।

Rashtra Ki Parampara

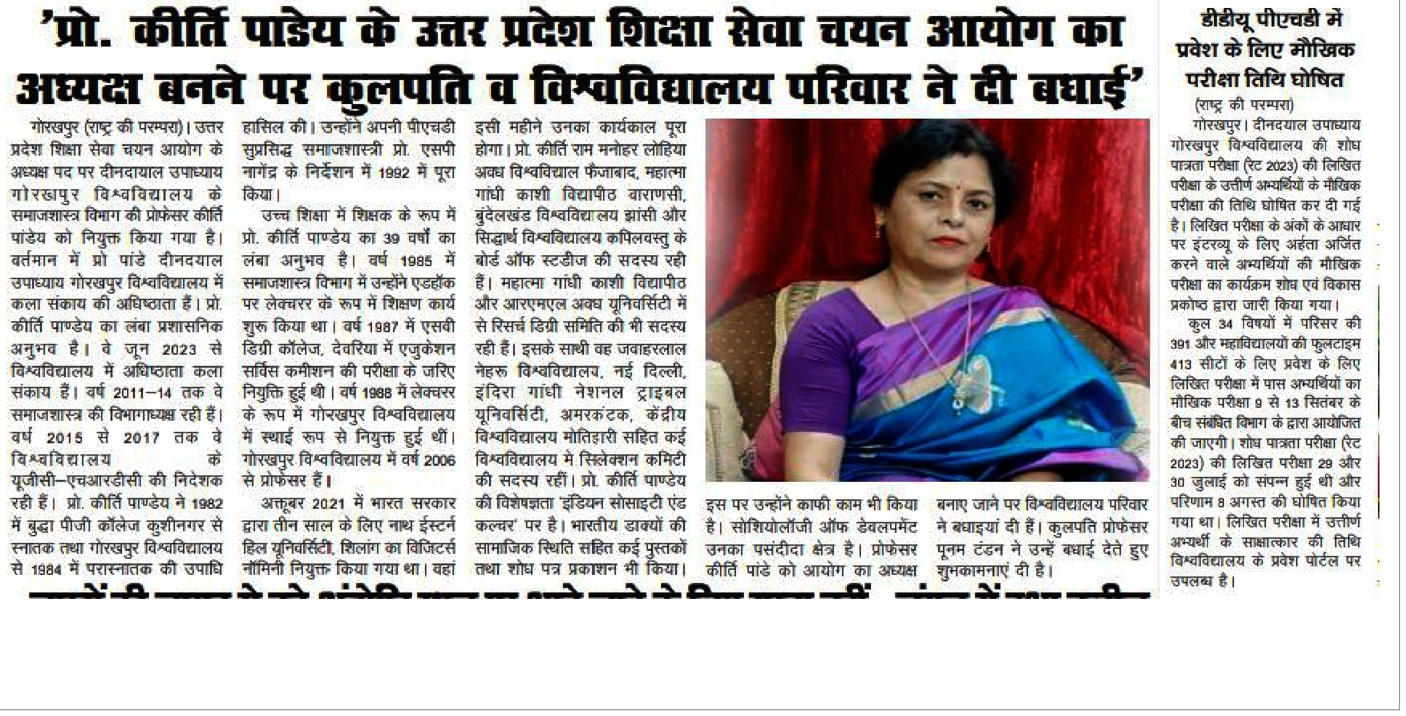

'प्रो. कीर्ति पाडेय के उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग का अध्यक्ष बनने पर कुलपति व विश्वविद्यालय परिवार ने दी बधाई'

गोरखपुर (राष्ट्र की परम्परा)। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग के अध्यक्ष पद पर दीनदायाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग की प्रोफेसर कीर्ति पांडेय को नियुक्त किया गया है। वर्तमान में प्रो पांडे दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में कला संकाय की अधिष्ठाता हैं। प्रो. कीर्ति पाण्डेय का लंबा प्रशासनिक अनुभव है। वे जून 2023 से विश्वविद्यालय में अधिष्ठाता कला संकाय हैं। वर्ष 2011-14 तक वे समाजशास्त्र की विभागाध्यक्ष रही हैं। वर्ष 2015 से 2017 तक वे विश्वविद्यालय के यूजीसी-एचआरडीसी की निदेशक रही हैं। प्रो. कीर्ति पाण्डेय ने 1982 में बुद्धा पीजी कॉलेज कुशीनगर से स्नातक तथा गोरखपुर विश्वविद्यालय से 1984 में परास्नातक की उपाधि हासिल की। उन्होंने अपनी पीएचडी सुप्रसिद्ध समाजशास्त्री प्रो. एसपी नागेंद्र के निर्देशन में 1992 में पूरा किया।

उच्च शिक्षा में शिक्षक के रूप में प्रो. कीर्ति पाण्डेय का 39 वर्षों का लंबा अनुभव है। वर्ष 1985 में समाजशास्त्र विभाग में उन्होंने एडहॉक पर लेक्चरर के रूप में शिक्षण कार्य शुरू किया था। वर्ष 1987 में एसबी डिग्री कॉलेज, देवरिया में एजुकेशन सर्विस कमीशन की परीक्षा के जरिए नियुक्ति हुई थी। वर्ष 1988 में लेक्चरर के रूप में गोरखपुर विश्वविद्यालय में स्थाई रूप से नियुक्त हुई थीं। गोरखपुर विश्वविद्यालय में वर्ष 2006 से प्रोफेसर हैं।

अक्तूबर 2021 में भारत सरकार द्वारा तीन साल के लिए नाथ ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी, शिलांग का विजिटर्स नॉमिनी नियुक्त किया गया था। वहां इसी महीने उनका कार्यकाल पूरा होगा। प्रो. कीर्ति राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्याल फैजाबाद, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ बाराणसी, बुंदेलखंड विश्वविद्यालय झांसी और सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु के बोर्ड ऑफ स्टडीज की सदस्य रही हैं। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ और आरएमएल अवध यूनिवर्सिटी में से रिसर्च डिग्री समिति की भी सदस्य रही हैं। इसके साथी वह जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, इंदिरा गांधी नेशनल ट्राइबल यूनिवर्सिटी, अमरकंटक, केंद्रीय विश्वविद्यालय मोतिहारी सहित कई विश्वविद्यालय में सिलेक्शन कमिटी की सदस्य रहीं। प्रो. कीर्ति पाण्डेय की विशेषज्ञता 'इंडियन सोसाइटी एंड कल्चर' पर है। भारतीय डाक्यों की सामाजिक स्थिति सहित कई पुस्तकों तथा शोध पत्र प्रकाशन भी किया। इस पर उन्होंने काफी काम भी किया है। सोशियोलॉजी ऑफ डेवलपमेंट उनका पसंदीदा क्षेत्र है। प्रोफेसर कीर्ति पांडे को आयोग का अध्यक्ष बनाए जाने पर विश्वविद्यालय परिवार ने बधाइयां दी हैं। कुलपति प्रोफेसर पूनम टंडन ने उन्हें बधाई देते हुए शुभकामनाएं दी है।

डीडीयू पीएचडी में प्रवेश के लिए मौखिक परीक्षा तिथि घोषित

(राष्ट्र की परम्परा)

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की शोध पात्रता परीक्षा (रेट 2023) की लिखित परीक्षा के उत्तीर्ण अभ्यर्थियों के मौखिक परीक्षा की तिथि घोषित कर दी गई है। लिखित परीक्षा के अंकों के आधार पर इंटरव्यू के लिए अर्हता अर्जित करने वाले अभ्यर्थियों की मौखिक परीक्षा का कार्यक्रम शोध एवं विकास प्रकोष्ठ द्वारा जारी किया गया।

कुल 34 विषयों में परिसर की 391 और महाविद्यालयों की फुलटाइम 413 सीटों के लिए प्रवेश के लिए लिखित परीक्षा में पास अभ्यर्थियों का मौखिक परीक्षा 9 से 13 सितंबर के बीच संबंधित विभाग के द्वारा आयोजित की जाएगी। शोध पात्रता परीक्षा (रेट 2023) की लिखित परीक्षा 29 और 30 जुलाई को संपन्न हुई थी और परिणाम 8 अगस्त को घोषित किया गया था। लिखित परीक्षा में उत्तीर्ण अभ्यर्थी के साक्षात्कार की तिथि विश्वविद्यालय के प्रवेश पोर्टल पर उपलब्ध है।